

INHALT

| | |
|---|----|
| Einleitung | 1 |
| Geschichte des Ōbaku-Zen in Japan von 1650-1700 | |
| 1. Vorgeschichte | |
| 1. 1. Nagasaki | 5 |
| 1. 2. Dōsha Chōgen | 6 |
| 1. 2. 1. Kurze Biographie | 7 |
| 1. 2. 2. Seine Bedeutung | 8 |
| 1. 2. 3. Bankei Yōtaku | 11 |
| 2. Ingen | |
| 2. 1. Ingen in China | 12 |
| 2. 2. Ueberfahrt nach Japan | |
| 2. 2. 1. Yiran Xingrong | 16 |
| 2. 2. 2. Die Ueberfahrt | 17 |
| 2. 3. Nagasaki und Fumonji | 18 |
| 2. 4. Ingens Gegner in Japan | |
| 2. 4. 1. Myōshinji | 19 |
| 2. 5. Der Bau des Mampukuji in Uji | 21 |
| 2. 6. Ingens letzte Jahre | 26 |
| 2. 6. 1. Sandankaie | 27 |
| 2. 6. 2. Rücktritt und Tod | 28 |
| 2. 7. Rückblick | 29 |
| 2. 7. 1. Ryōkei Shōsen | 31 |
| 3. Mokuan und Sokuhi | |
| 3. 1. Mokuan Shōtō | 33 |
| 3. 2. Sokuhi Nyoichi | 35 |
| 3. 3. Die drei Pinsel | 37 |
| 4. Ōbaku-Mönche der Anfangszeit | |
| 4. 1. Chinesische Mönche | 38 |
| 4. 2. Japanische Mönche | 41 |
| 5. Ingens Zen | 43 |
| Leben und Denken Tetsugen Dōkōs | |
| Sein Leben | |
| Einleitung | 48 |
| 1. Der Jōdo-Shinshū-Mönch Tetsugen | 48 |

| | |
|---|-----|
| 2. Sein Lehrer Saigin 西吟 | 50 |
| 3. Fünf dunkle Jahre | 52 |
| 4. Kengan Zen'etsu | 53 |
| 5. Die Beziehung zu seinem Meister Mokuan | 54 |
| 6. Hôshû Dôshô | 56 |
| 7. Die Taten des Gründers | 57 |
| Tetsugens Denken | 71 |
| 1. Der Druck des tripitaka | 75 |
| 1. 1. Geschichte der tripitaka-Ausgaben | 76 |
| 2. Die Betonung der Regeln | |
| 3. Laienbuddhismus | 80 |
| Einige ausgewählte Schriften Tetsugens | 84 |
| 1. Kommentar über die Gelegenheiten, Menschen zu führen | 85 |
| 2. Memorial über den Fortgang des Neudrucks des tripitaka | 89 |
| 3. Begleitschrift zur Uebergabe des tripitaka | 91 |
| 4. Schriftliche Aussage zum Lehrdisput in Mori | 94 |
| 5. Die Predigten in kana des Zen-Meisters Tetsugen aus dem Zuiryû[ji] | 104 |
| Anmerkungen | 145 |
| Tetsugens Schriften | 209 |
| Tetsugen Dôkôs Traditionsliste | 211 |
| Bibliographie | 213 |